विश्व चर्चित संस्था नन वाईलेंस प्रोजेक्ट फ़ाउंडेशन (http://nonviolence.com) जेनेवा स्वीटजरलैंड द्वारा वीरेंद्र कुमार सोनी को भारत का देश प्रमुख बनाया गया जो भीतीहरवा पंचायत, जिला चंपारण बिहार के पुत्र और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चंद्रशेखर जी द्वारा शुरू किया गया संस्था महात्मा गांधी शोध संस्थान के निदेशक हैं।

Birendra Kumar Soni , Country Director , Non-Violence Project Foundation

बताते चलें की बंद बंदूक (नोटेड गन) संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अहिंसा का प्रतीक चिन्ह के रूप में मान्यता दी गई है जो संयुक्त राष्ट्र के परिसर के साथ साथ अन्य 30 स्थानो पर भी स्थापित किया गया है । यह प्रतीक संस्था का प्रतीक चिन्ह है और यह बताता है, कि दुनिया से युद्ध और सभी प्रकार के हथियार जो अशांति हिंसा फैलाता है । उनका बहिष्कार और विनाश कर देना चाहिय । “नॉन- वैलेंस प्रोजेक्ट फ़ाउंडेशन” ने शांति एंव अहिंसा का कार्यक्रम करने के लिए सभी राज्यों में राज्य स्तरीय शांति समिति का गठन किया जा रहा है । तत्पश्चात देश भर के सभी जिलों में शांति समिति की विस्तार किया जायगा ।

शांति एंव अहिंसा कि जन्म भूमि सदियों से भारत रही है । अहिंसा एंव शांति की संस्कृति ओम शांति, वेद, उपनिषद ,महावीर जैन, गौतम बुद्ध अशोक महान, आदीशंकर और उनके अदैव्त,अकबर महान, सूफी सन्त त एंव ऐसे सभी भारतीय परंपरागत मान्यताओं एवं वसुधैवकुटुम्बकम से आता है । इन सभी मान्यताओं के आधार पर ही महात्मा गांधी ने बिहार के चंपारण में किसानो को अहिंसक पद्धतियों के माध्यम से उनका हक दिलाया और मोहन से महात्मा बने । इसी धरती के वीरेंद्र सोनी ने चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष में देशभर में अहिंसा और शांति को कायम रखने के लिए देश प्रमुख की जिम्मेवारी ली है । ये जिम्मेवारी वीरेंद्र सोनी की कडी क्षमता को देखकर नॉन वैलेंस प्रोजेक्ट फाउनडेश्न,स्विट्जरलैंड ने भारत प्रमुख के रूप में चुना है ।

NON-VIOLENCE®

(1.Mr.Augustine Veliath, Chirperson, Non-Violence Project India, 2.Blaise Oberson, Chief Executive Officer, Non-Violence Project Foundation, Switzerland 3.Swami Sachiddanand (AIR Force Baba), Achrya Guru, Navshruti International Trust, 4. Dr.Karan Singh, Member of Parliament, Rajya Sabha and Chairperson of UNESCO led Mahatma Gandhi Institute of Peace and Sustainable Development. 5. Prof. (Dr.) Madan Mohan Goyal, Director, Rajiv Gandhi National Institute of Youth Development. 6. Prof (Dr) Marek Wosinski, President, Global Network for Sustainable Development. 7.Ms.Ivana Bushljeta, Director , Global Education, Non-Violence Project Foundation

अंतराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस एंव सन्त विनोवा भावे के शहादत दिवस 16 नवम्बर को विश्व युवा केंद्र चाणक्यपुरी , दिल्ली में युवा शांति संसद के कार्यक्रम में भारत के 21 राज्य के प्रतिनिधि और 6 देश के प्रतिनिधि के साथ बीरेन्द्र सोनी ने यह जिम्मेवारी संभाली। नॉन-वैलेंस (अहिंसा) फ़ाउंडेशन के ग्लोबल चीफ ऑफिसर, ब्लेज ओबेर्सोन, स्विट्ज़रलैंड, इवाना बुशजेटा, ग्रीस, डॉ॰ मारक वोसिंस्की, अमेरिका, डॉ॰ चेन जारोंग-चीन, बीबेश मन्दारनेपाल, हयात अमीरी-अफगानिस्तान और डॉ॰ करण सिंह- सदस्य राज्य सभा एवं अध्यक्ष, महात्मा गांधी पीस एवं ससटनएबल डेव्लपमेंट - यूनेस्को, स्वामी सचिद्दनन्द भारती, आचार्य गुरु और डॉ॰ मदन मोहन गोयल, निदेशक, राजीव गांधी इन्सीटिटूट नेशनल इन्सीटिटूटे ऑफ यूथ डेव्लपमेंट ने संयुक्त रूप से “नॉन-वैलेंस प्रोजेक्ट इंडिया” का शुभ-आरम्भ भारत में शान्ति और अहिंसा कायम करने के लिए की । इस कार्यक्रम में दिल्ली और तमिलनाडु के लगभग 30 स्कूल और 250 छात्र /

युवाओं और 21 राज्य के जन प्रतिनिधि ने देश को 2025 तक भारत को “पीस इंडेक्स” में बेहतर रैंकिंग पर लाने का प्रण किया जो आज 130 रैंकिंग है ।

राज्य में हिंसा को कम करने और शान्ति स्थापना कि जिम्मेवारी क्रमश प्रतिनिधियों ने लिया , रूपा सिंह - बिहार से , डॉ तनु वर्मा - महाराष्ट्र, मिलन मेहरा- उतर प्रदेश, खागेश - उत्तराखंड, थॉमस जॉन - तेलंगाना, मैथूयू एवं प्रेमजी - केरला, शीना हराट - आंध्रा प्रदेश, शर्मिला सिन्हा - दिल्ली, फ्रांसिस पी यू-तमिलनाडु, सुधा रेडी- कर्नाटक, डॉ॰स्वाति चक्रवर्ती - ओड़ीसा, शीतल जोशी

“National - Train The Trainers” representative from 21 States trained by Ivana Bushljeta, Director Global Education, Non-Violence Project Foundation. Each trainer have responsibility of 100 Schools in their respective states and establishment of State Peace Council.

- बंगाल, मंदिरा गांगुली- गुजूरात, बबीना सलाम-मणिपुर, जुनू गगोई - आसाम, गौतम मजूमदार-सिक्किम मजूमदार, जावेद - जम्मू कश्मीर, लीना- पंजाब, गौरव उपाध्याय- हरियाणा, बुलबुल एवं बबीता- हिमाचल प्रदेश इत्यादि ने अपने-अपने राज्य कि जिम्मेवारी ली ।

इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुये सभी राज्य में लगभग 100 स्कूल में “पीस क्लबस फॉर ससटेनबिलिटि”, “पीस स्कूल्स फॉर ससटेनबिलिटि” और “पीस डायलॉग फॉर ससटेनबिलिटि” कि शुरुआत की गई ।

NON-VIOLENCE

विश्व अहिंसा भवन, दिल्ली में सभी राज्य प्रतिनिधि का 5 दिनों (११ नवम्बर से १५ नवम्बर तक का आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया । जहाँ 30 राज्य स्तरीय और 10 राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक तैयार हुए।

Ms.Ivana Busljeta , Director, Global Education, Non-Violence Project Foundation

इस प्रशिक्षण को ग्रीस से आई ग्लोबल शिक्षा की निदेशक श्री मति इवाना बुशजेटा ने संचालित किया ।

यह प्रशिक्षण सभी के लिए एक नया अनुभव लेकर आया । विधायलय में सुगमता से कैसे बच्चों और युवाओं को अहिंसक समाज के लिए तैयार करना है इसकी कला प्रशिक्षक गण सिंखे । देश भर के बाल-मन और युवा-जन शांति और अहिंसा को अपना सके यहीं हमारा उद्देश्य है । इवाना के अनुभव और प्रयोग ने सभी प्रशिक्षकों को आत्म-विश्वाश से साराबोर कर दिया ।

Youth Peace Parliament 2017, Participants discussed SDG Element's and make action plan for pan India representative from 21 States and 6 Countries came together for this events. Country representation was from Switzerland, USA, Greece, China, Nepal and Afghanistan

21 नवम्बर को भीतिहरवा, पंचायत के आम सभा में बीरेन्द्र सोनी ने भीतिहरवा में “महात्मा गांधी अहिंसा-शान्ति विद्यापीठ” नामक विश्वविध्यालय स्थापना का प्रस्ताव रखा जो सर्व सहमति से पास हुआ । इस आम सभा में गौनाहा प्रखण्ड-विकास पदाधिकारी भी मौजूद रहे । इस आशय का निवेदन माननीय मुख्यमंत्री बिहार को भी यह निवेदन ईपत्र , स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा जा चुका गया है। सभी के प्रयास से यह विश्वविध्यालय महात्मा गांधी और कस्तूरबा के सपनों को साकार करने का बड़ा मधायम बनेगा ।

इस विश्वविध्यालय को 2019 में महात्मा गांधी के 150वीं जयन्ती के अवसर पर उद्घाटित करने का प्रस्ताव रखा गया ।

चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी समारोह के अन्तिम कार्यक्रम के साथ गांधीजी के सत्य, अहिंसा और शान्ति को देशभर में स्थापित करने के लिए , चम्पारण पुत्र बीरेन्द्र सोनी को शुभ - कामना ।